राज्यपाल सचिवालय, विहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

सभी धर्म भाईचारा और प्रेम की शिक्षा देते हैं–राज्यपाल

पटना, 06 नवम्बर 2017

''कोई भी धर्म हो, सभी भाईचारा और प्रेम की ही शिक्षा देते हैं। 'धर्म' वही है जो धारण करने योग्य हो और धारण वही किया जा सकता है, जो समस्त मानवता के लिए कल्याणकारी हो, मंगलकारी हो। समाज में समता हो, शांति हो, भाईचारा हो, प्रेम हो, सभी एक दूसरे के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें, सभी एक दूसरे के लिए त्याग और सहिष्णुता की भावना रखें –इन्हीं सब बातों से देश की एकता को ताकत मिलती है।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने आध्यात्मिक सत्संग समिति, पटना के तत्वावधान में स्थानीय गाँधी मैदान में आयोजित 'श्रीमद्‌भागवत कथा समारोह' का दीपक प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि कोई भी धर्म हो, सभी हमें अच्छा इंसान बनने की शिक्षा देते हैं। भारत एक ऐसा देश है, जहाँ सभी धर्मों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों, जातियों, परम्पराओं आदि के सुन्दर सम्मिलन से ही भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान और विरासत समृद्ध होती है। 'विविधता के बीच एकता' –हमारे देश की यही विशेषता है। हमारे देश का संविधान भी सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की मूल अवधारणा पर जोर देता है।

श्री मलिक ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का उद्देश्य यही होता है कि सबको विकास के समान अवसर उपलब्ध कराते हुए सबके कल्याण की कामना की जाये। आपके इस 'श्रीमद्‌भागवत कथा' के आयोजन का भी यही महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 'श्रीमद्‌भागवत' भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधि ग्रंथ है। इस ग्रंथ से सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, दार्शनिक, नैतिक हर क्षेत्र को मार्ग–दर्शन प्राप्त होता है। इसकी कथा के श्रवण से मानवता को सन्मार्ग पर चलने की सत्प्रेरणा मिलती है। साध्वी ऋतम्भरा जी से इस कथा के श्रवण का कुछ और ही आनन्द है। श्री मलिक ने कहा कि धर्मग्रथों में हमारी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत समाहित है।

राज्यपाल ने 'श्रीमद्‌भावगत कथा' के इस दिव्य आयोजन हेतु आध्यात्मिक सत्संग समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को धन्यवाद दिया। शुभारंभ समारोह में स्वागत भाषण –समिति की महामंत्री श्रीमती सुषमा अग्रवाल ने किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन संयोजक श्री कमल नोपानी ने किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री आ॰के॰सिन्हा तथा आध्यात्मिक सत्संग समिति के अध्यक्ष श्री विजय कुमार किशोरपुरिया सहित कई गणमान्य जन भी उपस्थित थे।

.....